प्रथम प्रश्न पत्र- लोक प्रशासन के सिद्धान्त (बीएपीए 101)

खण्ड-1 लोक प्रशासन के सिद्धान्त

1.लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति क्षेत्र, महत्व

2.लोक प्रशासन के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण

3.लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन

4.लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन

5.लोक प्रशासन का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध

खण्ड-2 विकास प्रशासन व तुलनात्मक लोक प्रशासन

1.विकास प्रशासन अर्थ, विशेषताएं, क्षेत्र

2.विकसित और विकासशील देशों में विकास प्रशासन

3.तुलनात्मक लोक प्रशासन अर्थ, क्षेत्र एवं अध्ययन के दृष्टिकोण

4.लोक प्रशासन एवं लोक नीति

खण्ड-3 लोक प्रशासन में संगठन

1.संगठन- महत्व, अर्थ, औपचारिक संगठन, अनौपचारिक संगठन

2.संगठन की विचारधाराएं- शास्त्रीय, मानव संबंध विषयक, व्यवस्था विचारधारा

3.संगठन के सिद्धान्त- पद सोपान, नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता

4.समन्वय, प्रत्यायोजन, पर्यवेक्षण केन्द्रीकरण, विकेन्द्रीकरण

खण्ड-4 लोक प्रशासन में संगठन

1. मुख्य कार्यपालिका

2. सूत्र तथा स्टाफ

3. भर्ती, प्रशिक्षण एवम् प्रोन्नति

खण्ड-5 लोक प्रशासन पर नियंत्रण, प्रबन्ध और नेतृत्व

1.लोक प्रशासन पर नियंत्रण: विधायी नियंत्रण, कार्यकारी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण

2.प्रबन्ध- अर्थ, प्रकृति, सहभागी प्रबन्ध, अच्छे प्रबन्ध की कसौटियॉं

3.नेतृत्व, नीति निर्धारण तथा निर्णय करना

खण्ड-6 नियोजन, नौकरशाही और लोकसेवा

1.नियोजन: अर्थ, प्रकार, नियोजन प्रक्रिया, योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद

2.नौकरीशाही- अर्थ, नौकरशाही के प्रकार, गुण, दोष, मैक्स बेबर की नौकरशाही

3.लोकसेवा का अर्थ, कार्य, भारत में आखिल भारतीय सेवाएं, भारतीय प्रशासनिक सेवा